RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : मंगलवार 29 अगस्त 2023 वर्ष 05 अंक 125 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 8 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

शरद पवार पर टिप्पणी करना राजनीतिक फैशन

छगन भुजबल के बयान पर पवार गुट का प्रहार...

मुंबई : बीड में हुई अजित पवार की सभा में मंत्री छगन भुजबल के भाषण पर व्यापक प्रतिक्रिया देखने को मिली। शरद पवार गुट के प्रवक्ता महेश तपासे ने कहा कि ऐसी सभा में शरद पवार पर टिप्पणी करना राजनीतिक फैशन बन गया है। वहीं अजित पवार ने कहा कि उन्होंने छगन भुजबल का भाषण सुना नहीं। महेश तपासे ने कहा कि जिन-जिन नेताओं को शरद पवार ने बड़ा किया, वे सभी नेता पवार को भूलकर सत्ता में मस्त हो गए हैं।

पवार गुट के विधायक रोहित पवार ने ट्वीट में कहा कि बीड में बड़ा स्वागत हुआ, लेकिन एक मंत्री ने इसके लिए सत्ता की ताकत का भरपूर इस्तेमाल किय। इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस सभा में एक मंत्री ने शरद पवार के खिलाफ बोलना शुरू किया तो लोगों ने विरोध किया और संबंधित मंत्री को दो मिनट में अपना भाषण खत्म करना पड़ा। बाकी संपूर्ण सभा में जब भाजपा की आरती गाई गई तब बारामती की तरह स्वाभिमानी बीड वासियों में किसी ने भी ताली नहीं बजाई और कुर्सियां खाली होने लगी। इससे फिर स्पष्ट हो गया कि बारामती हो या बीड, संपूर्ण महाराष्ट्र की जनता होशियार और स्वाभिमानी है।

क्या कहा था भुजबल ने

बीड की सभा में छगन भुजबल और धनंजय मुंडे ने शरद पवार की आलोचना की थी। भुजबल ने कहा था कि मैं राकांपा का पहला प्रदेश अध्यक्ष बना। शरद पवार और मैं महाराष्ट्र का दौरा कर रहे थे। कुछ विधायक कम पड़ गए और विलासराव देशमुख मुख्यमंत्री बन गए और मैं उपमुख्यमंत्री बन गया, लेकिन एक बात मुझे पता नहीं चली। आपने (शरद पवार ने) 23 दिसंबर 2003 को अचानक मुझसे गृह मंत्री पद से इस्तीफा क्यों ले लिया, मेरी क्या गलती थी? मैंने तेलगी को गिरफ्तार कर उस पर मोका लगाने के आदेश दिए थे। फिर आपने मुझे फोन किया और मुझसे इस्तीफा देने के लिए कहा। आपने कहा कि जी टीवी के दफ्तर पर पत्थर फेंके गए, इस्तीफा दीजिए। बाद में आपको गोयल का फोन आया, उन्होंने कहा कि भुजबल का इस्तीफा मत स्वीकार करें, उन्होंने कोई गलती नहीं की है। उनके कहने के बाद भी आपने मेरा इस्तीफा लिया।

नवी मुंबई में स्टील व्यापारी से 53 लाख की धोखाधड़ी

नवी मुंबई : नवी मुंबई के एक इस्पात कारोबारी से 52.82 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में पुलिस ने ओडिशा के कटक के एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि कारोबारी ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में कहा कि आरोपी ने खुद को स्टील सेल एजेंट बताकर दिसंबर 2021 में उससे स्टील खरीदा और ओडिशा की एक कंपनी को दे दिया। उन्होंने बताया कि आरोपी ने ओडिशा में कुछ अन्य कंपनियों को भी स्टॉक बेचा और पैसे इकट्ठा किए, लेकिन व्यापारी को उससे स्टील की खरीद के लिए कोई भुगतान नहीं किया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि जब कारोबारी ने भुगतान के लिए कहा तो आरोपी ने शुरू में गोलमोल जवाब दिया और बाद में उसे धमकी दी कि वह ओडिशा न आए, वरना उसकी पिटाई की जाएगी।अधिकारी ने बताया कि कारोबारी की शिकायत के आधार पर पुलिस ने शनिवार को आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 409 (आपराधिक विश्वासघात) और 504 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) के तहत मामला दर्ज किया।

भिवंडी यूथ कांग्रेस ने मनपा मुख्यालय के सामने कूड़ा फेंक कर किया विरोध प्रदर्शन

मुस्तकीम खान संवाददाता

भिवंडी : भिवंडी निजामपुर शहर महानगर पालिका क्षेत्र में प्रतिदिन जमा होने वाले लगभग 450 मीट्रिक टन कचरे को उठा कर डम्पिंग करने के लिए मनपा ने निजी ठेकेदार को ठेका दिया है लेकिन इस के बावजूद शहर में जगह जगह कचड़े का अंबार लगा हुआ है और बिना कचड़ा उठाए मनपा द्वारा ठेकेदार के करोड़ों रुपये के बिल स्वीकृत किए जाने का आरोप लगाते हुए यूथ कांग्रेस के पूर्व शहर अध्यक्ष अरफात खान के नेतृत्व में मनपा मुख्यालय के प्रवेश द्वार के सामने कूड़ा कचड़ा फेंककर विरोध प्रदर्शन शुरू किया गया है। इस दौरान यूथ कांग्रेस महासचिव इसाम खान, जावेद खान, सलीम खान आदि की मौजूदगी में मनपा मुख्यालय के सामने अचानक हुए इस अंदोलन से सुरक्षा गार्ड कुछ देर के लिए परेशान दिखाई दिए।

भिवंडी मनपा के सामने आंदोलन कर रहे यूथ कांग्रेस के पूर्व शहर अध्यक्ष अरफात खान ने आरोप लगाते हुए कहा कि शहर के कई इलाकों सहित जगह जगह कचड़ों का अंबार दिखाई दे रहा है जबकि प्राइवेट ठेकेदार को मनपा शहर से कचड़ा उठा कर डम्पिंग करने के लिए करोड़ों रुपये का बिल भुक्तान कर रही है । उन्होंने बताया कि शहर के कई हिस्सों में कचड़े के ढेर लगे हुए हैं, क्योंकि इन्हें उठाने के लिए घंटा गाड़ियां नहीं जाती । खासकर शहर के शांतिनगर सहित अन्य अल्पसंख्यक इलाकों में मनपा प्रशासन घोर लापरवाही बरत रहा है ।अरफात खान ने बताया कि गौसिया मस्जिद क्षेत्र में कचड़ा न उठने से बरसात के मौसम में सड़न से उठने वाली दुर्गंध नागरिकों की परेशानी का कारण बन गई है इतना ही नहीं कचड़े की सड़न और दुर्गंध से नागरिक संक्रामक बीमारियों से भी संक्रमित हो रहे हैं। जावेद खान ने बताया कि मनपा प्रशासन से समय-समय पर शिकायत करने के बाद भी प्रशासन के स्वास्थ्य एवं सार्वजनिक स्वच्छता विभाग इस मामले को नजरअंदाज कर रहा है, जिसके बाद आखिरकार आक्रोशित नागरिकों ने इसका विरोध करते हुए आज मनपा के सामने कचड़ा फेंक कर आंदोलन किया जा रहा है । करीब दो घंटे तक चले इस विरोध प्रदर्शन के कारण मनपा मुख्यालय का प्रवेश द्वार बंद कर दिया गया था । इसके बाद मनपा स्वास्थ्य और सार्वजनिक स्वच्छता विभाग के प्रमुख जेएम सोनवणे ने प्रदर्शनकारियों के साथ स्थल निरीक्षण करने का फैसला लिया जिस के बाद आंदोलन स्थगित कर दिया गया ।

भिवंडी शहर पुलिस ने किया नशीली कप सिरप सहित दो को गिरफ्तार

कारवाई में 30 हजार 225 रुपए कीमत की 155 बोतलें जप्त

मुस्तकीम खान संवाददाता

भिवंडी : भिवंडी के शहर पुलिस ने नशे के लिए विक्री करने वालों कप सिरप के अवैध धंधे का पदार्फाश करते हुए नशे का कप सिरप बेचने वाले 2 आरोपियों को कोटरगेट इलाके के नदीम पहेलवान बिल्डिंग के पास से गिरफ्तार किया है । जिनके पास से पुलिस ने भारी मात्रा में नशीली कप सिरप की बोतलें भी बरामद की है। भिवंडी शहर पुलिस के मुताबिक शहर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत कोटरगेट इलाके के नदीम पहेलवान बिल्डिंग के पीछे कुछ लोगों द्वारा नशीली प्रदार्थ बिक्री करने की गुप्त सूचना मिली थी । जिसके बाद शहर पुलिस स्टेशन के वरिष्ट पुलिस निरीक्षक चेतन काकडे के मार्गदर्शन में पुलिस

की टीम ने नदीम पहेलवान बिल्डिंग के पीछे जाल बिछा कर वहीं पास ही एक झोपड़ी से कप सिरप की बिक्री करने वाले दो व्यक्ति को गिरफ्तार किया है । जिनकी पहचान पुलिस ने तबरेज अब्दुल रहमान मोमिन 41और आवेश अब्दुल रहमान मोमिन के तौर पर की है। गिरफ्तार दोनो आरोपीयों के पास से पुलिस ने 30 हजार 225 रुपए मूल्य की कोडीन फॉस्फेट नामक कप सिरप की 155 बोतलें भी बरामद की है। शहर पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपी बिना किसी परवानगी के अवैध रूप से युवकों को नशे के लिए कप सिरप की विक्री करने हेतु अधिक मात्रा में नशीली कप सिरप की बोतलें इकट्ठा की थी । पुलीस ने दोनों आरोपीयों के खिलाफ आईपीसी की धारा 328, 273, 276, 34 व औषधे व सौंदर्य प्रसाधने अधिनियम की विभिन्न विधाओं के तहत मामला दर्ज किया है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : मंगलवार 29 अगस्त 2023

संपादकीय / लेख

वित्तीय समावेशन की मिसाल...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

प्रधानमंत्री जनधन योजना के नौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यह बिल्कुल सही कहा कि इस योजना ने देश में वित्तीय समावेशन की क्रांति ला दी है। इसे क्रांति इसलिए कहा जाएगा, क्योंकि इस योजना के तहत खुले खातों की संख्या 50 करोड़ के आंकडे को पार कर गई है। यह संख्या कई देशों की कुल आबादी से भी अधिक है। जनधन योजना के तहत अधिकांश खाते उन गरीबों के हैं, जो बैंकिंग व्यवस्था से दूर थे। चूंकि इस योजना के तहत बिना किसी राशि के खाते खुलवाने की सुविधा प्रदान की गई, इसलिए करोड़ों निर्धन लोगों को बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ने में आसानी हुई। जब यह योजना शुरू की गई थी तो ऐसे सवाल उठे थे कि आखिर जनधन खातों में पैसा कहां से आएगा?

आंकड़े बता रहे हैं कि जनधन खातों में कुल जमा राशि दो लाख करोड़ रुपये से भी अधिक है। इसका अर्थ है कि गरीब बचत कर रहा है और बैंकों की महत्ता भी समझ रहा है। जनधन खाते गरीबों को केवल अपनी बचत का पैसा बैंक में जमा करने की ही सुविधा नहीं प्रदान कर रहे हैं, बल्कि वे इन खातों के जरिये विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का पैसा प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण यानी डीबीटी के जरिये सहजता से प्राप्त भी कर रहे हैं। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि पहले हर तरह की सरकारी सहायता का एक बड़ा हिस्सा बिचौलियों यानी भ्रष्ट तत्वों की जेब में चला जाता था। जनधन योजना की एक उल्लेखनीय बात यह भी है कि लगभग 56 प्रतिशत खाते महिलाओं के हैं। यह तथ्य भी ध्यान देने लायक है कि करीब 67 प्रतिशत जनधन खाते गांवों और छोटे कस्बों में खोले गए हैं। इसका मतलब है कि यह योजना अंतिम छोर पर खड़े वंचित लोगों तक पहुंची है। जनधन खाताधारक बैंक से उधार लेने के साथ अन्य सुविधाएं भी हासिल कर सकते हैं।

समझना कठिन है कि मोदी सरकार के पहले किसी ने यह क्यों नहीं सोचा कि गरीबों को भी बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने की जरूरत है? करोड़ों लोगों के बैंकिंग व्यवस्था से दूर रहने का केवल यही एक दुष्परिणाम नहीं था कि वे देश की समृद्धि से जुड़ नहीं पा रहे थे। एक दुष्परिणाम यह भी था कि करोड़ों लोग आर्थिक मुख्यधारा से बाहर थे। कोई भी देश समर्थ तभी बनता है, जब उसका प्रत्येक नागरिक आर्थिक गतिविधियों से जुड़ता है। जनधन योजना निर्धन वर्ग को न केवल बचत के लिए प्रेरित कर रही है, बल्कि आत्मनिर्भरता की राह पर भी ले जा रही है। इस योजना ने यह सुनिश्चित किया है कि देश की आर्थिक प्रगति में सभी का योगदान हो। अच्छा हो कि केंद्र की तरह सभी राज्य सरकारें यह समझें कि जनकल्याण की कोई भी योजना हो, उसका उद्देश्य निर्धन वर्ग को आर्थिक रूप से अपने पैरों पर खड़ा करना होना चाहिए।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

अजित पवार ने भाजपा के साथ जाने की वजह बताई:

कहा- राजनीति में कोई परमानेंट दुश्मन या दोस्त नहीं होता... उद्धव बोले- NDA वाले धोखेबाज

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के डिप्टी CM अजित पवार ने रविवार को कहा कि राजनीति में कोई परमानेंट दुश्मन या दोस्त नहीं होता। उन्होंने NCP तोड़कर NDA में शामिल होने की वजह भी बताई। बीड में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा- महाराष्ट्र के विकास और यहां के लोगों की समस्या सुलझाने के लिए हमने भाजपा-शिंदे गुट ज्वॉइन किया। वहीं, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने अजित पवार पर निशाना साधते हुए कहा- ये धोखेबाज लोग हैं। हिंगोली में रविवार को रैली के दौरान उद्धव बोले- भाजपा आया राम, गया राम पार्टी है, जहां नेता पाला बदलते रहते हैं। NDA में शामिल अधिकतर पार्टियां धोखेबाज हैं। दूसरी पार्टियां तोड़कर लोग इसमें शामिल हुए हैं।

उद्धव ने अमीबा और मालगाड़ी से ठऊअ सरकार की तुलना की। उद्धव ने कहा- वर्तमान NDA सरकार अमीबा की तरह है, जिसका कोई निश्चित आकार और आकृति नहीं है। पहले भाजपा कहती थी कि महाराष्ट्र में डबल इंजन की सरकार है। अब अजित की तीसरी इंजन भी जुड़ गई है। पता नहीं और कितने इंजन जुड़ेंगे। यह मालगाड़ी है क्या?

प्याज के मुद्दे पर क्या बोले अजित पवार

अजीत पवार ने प्याज के मुद्दे पर किसानों के प्रदर्शन को लेकर कहा- मैंने राज्य के कृषि मंत्री धनंजय मुंडे को दिल्ली जाकर राज्य में प्याज के हालिया मुद्दे पर केंद्रीय नेताओं से मिलने के लिए कहा है। गृह मंत्री ने भी कहा है कि केंद्र सरकार राज्य के किसानों से 24 रुपए प्रति किलो के हिसाब से 2 लाख मीट्रिक टन प्याज खरीद रही है। इससे पहले महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने प्याज पर 40% निर्यात शुल्क बढ़ाने के केंद्र सरकार के हालिया फैसले को किसान विरोधी फैसला बताया था।

अजित ने 2 जुलाई को बगावत की थी

पिछले साल जून में शिंदे और पार्टी के 39 अन्य विधायकों ने महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ बगावत कर दी थी। शिवसेना के दो हिस्से हो गए थे। इसके बाद शिवसेना, NCP और कांग्रेस की महाविकास अघाड़ी गठबंधन सरकार गिर गई। शिंदे ने इसके बाद भाजपा के साथ मिलकर सरकार बना ली। एकनाथ शिंदे को उट भी बनाया गया। इसी तरह इस साल 2 जुलाई को अजित पवार ने शरद पवार के खिलाफ बगावत कर दी। उन्होंने ठउढ के आठ विधायकों के साथ शिंदे के नेतृत्व वाली ठऊअ सरकार से हाथ मिला लिया। इसी दिन महाराष्ट्र सरकार में अजित ने डिप्टी उट पद की शपथ भी ले ली। अन्य विधायकों को भी कैबिनेट में मंत्री बनाया गया था।

म्हाडा के मकानों पर लगाए गए ग्राउंड रेंट पर निर्णय जल्द :

मंत्री सावे का आश्वासन... 10 हजार निवासियों के लिए राहत के संकेत

महाराष्ट्र : म्हाडा के मकानों पर लगाए गए ग्राउंड रेंट में बढ़ोतरी को लेकर आम नागरिकों के साथ कोई अन्याय न हो इसका ध्यान रखा जाएगा। आवास मंत्री अतुल सावे ने विधायक सीमा हिरे के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि वह जल्द ही म्हाडा के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे और संतोषजनक निर्णय लेंगे। 1969 से नासिक शहर में म्हाडा द्वारा विभिन्न आय समूहों में लगभग 14,000 आवास योजनाएं लागू की गई हैं। इन योजनाओं में विशेषकर श्रमिक वर्ग को अधिकतम सीमा तक शामिल किया गया है। म्हाडा इन योजनाओं के लिए प्रति वर्ष औसतन 42 से 236 रुपये किराया वसूल रही थी। लेकिन 26 अगस्त 2021 को हुई म्हाडा की बैठक में प्रस्ताव क्रमांक. 6995 नवीन लागू भू-भाटक। इस भू-किराए में प्रति वर्ष औसतन 1121 से 8831 रुपये की वृद्धि की गई है। यह जमीन का किराया रीड रेकनर दर पर आधारित है। सातपुर में सर्वे नं. 571, 520, 521 एवं 523 उपरोक्त भूमि दर सर्वे नं. 521 में 16000 और अन्य सर्वे नंबरों में 8000 दोगुने अंतर के साथ। इन दरों के कारण एक ही जगह लागू होने वाली योजना में बड़ा अंतर आ जाता है.

कंटेनर सहित करोड़ों का माल लेकर फरार हुआ चालक, केस दर्ज कर तलाश में जुटी पुलिस

मुस्तकीम खान संवाददाता भिवंडी : अहमदाबाद से ब्लू डार्ट कंपनी का एक करोड़ से ज्यादा का माल लेकर चला कंटेनर चालक माल को गंतव्य तक न पहुंचकर रास्ते से ही लेकर फरार हो जाने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। नारपोली पुलिस ने ट्रांसपोर्टर की शिकायत पर कंटेनर चालक पर केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।इस घटना के प्रकाश में आने के बाद ट्रांसपोर्टरों में भय का माहौल व्याप्त है। पुलिस के अनुसार अहमदाबाद के सनायल से 17 अगस्त 2023 को एन. जी. मामानी ट्रांसपोर्ट की कंटेनर नंबर जी. जे. 01 के. टी. 2272 के ड्राइवर रफिक महबूब ने ब्लु डर्ट कुरियर कंपनी का आयपैड,लैपटॉप, मशीनरी पार्ट, टोनर,आयफोन, मोबाइल सहित कुल एक करोड़ 10 लाख 63 हजार 752 रुपए कीमत का समान लोड़कर भिवंडी के ओवली गांव के सागर कॉम्प्लेक्स के लिए निकला था।लेकिन कंटेनर ड्राइवर माल को गंतव्य तक न पहुंचाकर उसे रास्ते से ही लेकर कही फरार हो गया।

केन्या में शादी करने जा रहा था कपल, मुंबई के गैलेक्सी होटल की आग में चली गई जान

मुंबईः सांताक्रुज (पूर्व) स्थित गैलेक्सी होटेल में रविवार को आग लगने से एक महिला सहित तीन लोगों की मौत हो गई। होटेल में धुआं भरने से सांस लेने में तकलीफ के कारण दो अन्य महिलाओं को इलाज के लिए हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। मरने वालों में रूपल कांजी नामक महिला (25), किशन प्रेमजी (28) और कांतिलाल वोरा (48) शामिल हैं। तीनों गुजरात के रहने वाले थे। रूपल कांजी, किशन प्रेमजी की मंगेतर थी। उनकी शादी केन्या में होने वाली थी। दोनों एनआरआई थे। उन्हें मुंबई एयरपोर्ट से नैरोबी (केन्या) जाना था। लेकिन

अहमदाबाद से मुंबई की फ्लाइट लेट होने के कारण उनकी नैरोबी की फ्लाइट छूट गई। जिसके बाद एयरलाइंस ने उन्हें होटेल में ठहराया था और दूसरी फ्लाइट से केन्या जाना था, लेकिन होटेल में आग लगने से उनकी मौत हो गई। सांताक्रूज (ई) के प्रभात कॉलोनी में स्थित होटल गैलेक्सी की दूसरी मंजिल के कमरे में रविवार दोपहर आग लगी थी। इस हादसे में एक कपल और गुजरात के एक व्यवसायी की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य बेहोश हो गए थे।

फायर ब्रिगेड विभाग की रिपोर्ट का इंतजार

वकोला पुलिस ने तीन अलग-अलग आकस्मिक मृत्यु रिपोर्ट दर्ज की हैं और अभी तक प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है क्योंकि वे कथित उल्लंघनों पर अग्निशमन विभाग की रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। मुख्य अग्निशमन अधिकारी रवींद्र अंबुलगेकर ने कहा, 'हम होटल के दस्तावेजों की जांच करेंगे और निरीक्षण भी करेंगे। यदि कोई सुरक्षा उल्लंघन पाया जाता है तो कार्रवाई की जाएगी।' होटल के एक कर्मचारी ने बताया कि आग तब लगी जब कमरा संख्या 204 में रहने वाले हार्दिक भट ने एसी चालू किया और यूनिट से चिंगारी निकल गई। वह तुरंत नीचे आया और कर्मचारियों को सूचित किया जिन्होंने अग्निशामक यंत्र का उपयोग करके आग बुझाने की कोशिश की।

इस रह फैलती गई आग...

आग की लपटें जल्द ही सीढ़ियों के माध्यम से ऊपरी मंजिल तक फैल गईं, जिसमें लकड़ी के साज-सज्जा के लिए रखे गए शोपीस और फर्नीचर जलने लगा। लिनन और कपड़े धोने की सामग्री आग के लिए ईंधन बन गई। सीढ़ियों पर और गलियारों में बहुत सारे तौलिए, कंबल, चादर रखे हुए थे। इसके अलावा, आंतरिक सजावट के लिए उपयोग की जाने वाली सामग्री ने भी आग को तेजी से फैलने में मदद की। एक दमकल कर्मी ने कहा कि वारा कमरा संख्या 302 में था, लेकिन आग लगने के बाद वह घबरा गया और 304 में चला गया, जहां दंपति था। मुंबई फायर ब्रिगेड के एक अधिकारी ने बताया कि गैलेक्सी होटेल में रविवार दोपहर 1.30 बजे आग लगी थी।

होटल ने बीएमसी के नोटिस का नहीं दिया जवाब...

बीएमसी ने हाल ही में 1966 में बने गैलेक्सी होटल को अग्नि सुरक्षा मानदंडों का पालन करने में विफलता के लिए नोटिस जारी किया था। बीएमसी एच-ईस्ट वार्ड के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ सतीश बडगिरे ने कहा, 'हमने अदालत में होटल के खिलाफ मामला दर्ज किया है, लेकिन उसने अभी तक हमारे नोटिस का जवाब नहीं दिया है। एक अन्य नागरिक अधिकारी ने आरोप लगाया कि होटल ने संरचनात्मक परिवर्तन किए हैं और उल्लंघन के लिए भवन और कारखाना विभाग द्वारा कार्रवाई की जाएगी।'

'संयोजक पर चर्चा होगी तो स्वीकार करिएगा...?'

मुख्यमंत्री नीतीश ने मुंबई बैठक से पहले दिया ये जवाब

मुंबईः 'इंडिया' गठबंधन की मुंबई में बैठक होने वाली है. इसके पहले पटना और बेंगलुरु में बैठक हो चुकी है और अब यह तीसरे दौर की बैठक होने वाली है. इससे पहले संयोजक के नाम को लेकर भी चर्चा तेज है. विपक्षी एकता की मुहिम की शुरूआत करने वाले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शुरूआती दौर से यह कहते आ रहे हैं कि उनकी कोई व्यक्तिगत इच्छा नहीं है. एक बार फिर सोमवार (28 अगस्त) को मीडिया ने संयोजक को लेकर सवाल किया तो सीएम नीतीश कुमार ने प्रतिक्रिया दी.

इस सवाल पर कि मुंबई की बैठक में आपको लेकर संयोजक आदि पर चर्चा होगी तो स्वीकार करिएगा? इस पर सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि नहीं हमको कुछ नहीं बनना. हम तो बराबर यह बात कह रहे हैं. दूसरे लोगों को बनाया जाएगा. हमारी कोई व्यक्तिगत इच्छा नहीं है. हम सबको एकजुट करना चाहते हैं. सब कोई मिलकर करेंगे. व्यक्तिगत कुछ नहीं चाहिए. हम तो सबके हित में चाहते हैं. सोमवार को एक कार्यक्रम में पहुंचे नीतीश कुमार के साथ तेजस्वी यादव भी थे. नीतीश कुमार को 'इंडिया' गठबंधन के संयोजक बनाए जाने को लेकर किए गए सवाल पर तेजस्वी यादव ने भी प्रतिक्रिया दी.

संजय राउत का दावा...

'नितिन देसाई को भाजपा नेताओं से मदद नहीं मिली, पर सनी देओल का बंगला बचा लिया गया'

मुंबई : शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने रविवार को दावा किया कि आत्महत्या से मरने वाले फिल्म कला निर्देशक नितिन देसाई ने दिल्ली में कुछ भाजपा नेताओं से मुलाकात की थी, लेकिन अपने स्टूडियो को बचाने के लिए उन्हें मदद नहीं मिली, जबकि भाजपा सांसद सनी देओल के बंगले की प्रस्तावित नीलामी 24 घंटे के अंदर ही रोक दी गई। राउत ने संवाददाताओं से कहा, हमें सनी देओल से कोई शिकायत नहीं है।वह एक अच्छे इंसान और अच्छे अभिनेता हैं। वह बैंक ऑफ बड़ौदा को अपना बकाया नहीं चुका सके जिसके कारण बैंक ने नीलामी (मुंबई में उनके बंगले की) के लिए नोटिस जारी किया। लेकिन 24 घंटे के अंदर ही नीलामी प्रक्रिया रोक दी गई और वह बच गए। सरकारी स्वामित्व वाले बैंक ऑफ बड़ौदा ने 56 करोड़ रुपये का बकाया वसूलने के लिए सनी देओल के स्वामित्व वाले विला की नीलामी करने का सार्वजनिक नोटिस सोमवार को यह कहते हुए वापस ले लिया था कि अभिनेता ने मुंबई में अपने बंगले से संबंधित बकाया का निपटान करने की पेशकश की है। राउत ने कहा कि नितिन देसाई ने रायगढ़ जिले में अपने सपनों के स्टूडियो को बचाने हेतु मदद मांगने के लिए दिल्ली में कुछ भाजपा नेताओं से मुलाकात की थी और ऋण का बकाया चुकाने के लिए समय मांगा था, लेकिन उन्हें कोई मदद नहीं मिली। राज्यसभा सदस्य ने दावा किया, इसके बाद वह मुंबई लौट आए और बाद में आत्महत्या कर ली। उन्हें कोई न्याय नहीं मिला। पुलिस के अनुसार, ''लगान'' और ''हम दिल दे चुके सनम'' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के लिए सेट बनाने वाले देसाई ने इस महीने की शुरूआत में रायगढ़ जिले में अपने स्टूडियो में कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

वायु गुणवत्ता के बारे में वॉर्निंग सिस्टम, मौसम विभाग ने ईजाद की नई तकनीक

मुंबई : एमएमआर क्षेत्र में सर्दी के मौसम में भी वायु गुणवत्ता बहुत ही खराब दर्ज की गई थी, जिसने नागरिकों को बुरी तरह से प्रभावित किया था। इतना ही नहीं बड़ी संख्या में लोग सांस से संबंधित बीमारियों के शिकार भी हुए थे। हालांकि, इस साल मौसम विज्ञान विभाग ने एक ऐसे तकनीक को ईजाद किया है, जिसकी मदद से लोग पहले ही वायु गुणवत्ता के बारे में न केवल जानकारी प्राप्त कर सकेंगे, बल्कि सर्दी में यह वॉर्निंग सिस्टम आपको वॉर्न करने का काम भी करेगा।

बता दें कि शहर में प्रदूषण के स्तर पर वास्तविक समय और पूवार्नुमानित डेटा को समझने के लिए नागरिक अब भारतीय उष्णकटीबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के पोर्टल पर वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली का उपयोग कर सकते हैं, जिसका

प्रेजेंटेशन सेंटर फॉर स्टडी ऑफ साइंस, टेक्नोलॉजी एंड पॉलिसी द्वारा आयोजित इंडिया क्लीन एयर समिट २०२३ में दिया गया था। इस वेबसाइट पर विस्तृत जानकारी, वास्तविक समय डेटा के साथ-साथ २४ स्थानों पर पीएम २.५ और पीएम १० उत्सर्जन के योगदान पर पूवार्नुमान प्राप्त करने के लिए बनाई गई है। मुंबई महानगर क्षेत्र में २० वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन हैं। इसमें से कुछ मुंबई के नेवी नगर, मालाड पश्चिम, बोरीवली पूर्व, देवनार, पवई, मुलुंड पश्चिम, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स और चकाला में हैं। इसके अलावा शेष चार महापे, वसई, नेरुल और कल्याण में हैं। पोर्टल के बारे में जानकारी साझा करते हुए आईआईटीएम के वैज्ञानिक डॉ. सचिन घुडे का कहना है कि इस तरह के अभूतपूर्व परिमाण वाले पीएम २.५ स्तर को कैप्चर करना एक वैश्विक दुर्लभता है। इसके लिए शहर से इस तरह के असाधारण डेटा को इकट्ठा करने में काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। एक्यूईडब्ल्यूएस पिनपॉइंट सटीकता पर निर्भर करता है, जिसकी शुरूआत सटीक मौसम पूवार्नुमान से होती है।

सीएसटीईपी में वायु गुणवत्ता की वरिष्ठ अनुसंधाकर्ता डॉ. प्रतिमा सिंह का कहना है कि सभी की निगरानी के लिए अधिक सेंसर की आवश्यकता होती है। कम लागत वाले सेंसर स्थापित करने की पहल करनेवाली हाउसिंग सोसाइटियों में नागरिक विज्ञान महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

मराठवाड़ा सूखा मुक्त करेगी सरकार

उपमुख्यमंत्री फडणवीस की घोषणा...

मुंबई : उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मराठवाड़ा को सूखा मुक्त करने के लिए बारिश गोदावरी नदी का पानी यहाँ लाया जाएगा ताकि आने वाली पीढ़ी सूखा की मार न देख सके. रविवार को परभणी में आयोजित सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में वे बोल रहे थे. फडणवीस ने कहा कि पिछली पीढ़ी को सबसे पहले सूखे का सामना करना पड़ा था, लेकिन अगली पीढ़ी को सूखा नहीं देखने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मराठवाड़ा के कुछ इलाकों में पानी की कमी हो गई है. हर चार साल में सूखे का सामना करना पड़ता है। 2014 में 53 फीसदी बारिश हुई थी. 2018 में 64 फीसदी बारिश हुई थी. अब भी लगभग 50 फीसदी बारिश हो चुकी है. इसलिए हम मराठवाड़ा को हमेशा के लिए सूखा मुक्त बनाने का प्रयास कर रहे हैं और हमने इस संबंध में निर्णय भी लिया है. इसके लिए कुछ योजनाएं बनाई गई हैं और मराठवाड़ा ग्रिड योजना लाई गई है. इससे मराठवाड़ा के बांधों को जोड़ने का प्रयास किया जाएगा. फडणवीस ने कहा कि अगर एक इलाके में ज्यादा बारिश होगी तो वहां से पानी दूसरी जगह ले जाया जाएगा. विपक्ष पर बिना नाम लिए हमला बोलते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले ढाई साल में कई विकास कार्यों पर ब्रेक लग गया था लेकिन, अब फिर से हमने ये काम शुरू कर दिया है. हमने मराठवाड़ा ग्रिड योजना के लिए केंद्र से धन की मांग की है और हमें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसे हमें देंगे। इसलिए हम पश्चिमी चैनलों से बहने वाले पानी को गोदावरी घाटी में लाने की योजना लेकर आए। लेकिन पिछले ढाई साल में इस पर काम नहीं हुआ.

महिलाओं के उत्थान के लिए जल्द ही बड़ा फैसला

देवेंद्र फडणवीस ने कहा "हमने 1 रुपये में फसल बीमा योजना शुरू की है। मुझे खुशी है कि 7 लाख से अधिक किसानों ने फसल बीमा का भुगतान किया है। हमने 50 प्रतिशत की छूट दी है।" मुख्यमंत्री के नेतृत्व में महिला बहनें। बुजुर्गों को भी एसटी में मुफ्त बस सेवा शुरू की गई है। उन्हें भी सभी देवस्थान पर दर्शन करने के लिए भेजा जा सकता है। यह सरकार महिलाओं को लेकर एक बड़ा फैसला लेने जा रही है। मुख्यमंत्री महिला स्वयं सहायता समूह का काम करने जा रही हैं। ऐसी ताकत दीजिए कि महिलाएं अपने पैरों पर खड़ी हो जाएं। हम ओबीसी के लिए 10 लाख घर बनाने जा रहे हैं। देश में एक भी व्यक्ति बेघर नहीं है। यह प्रधानमंत्री का सपना है। हम उस सपने को पूरा करने जा रहे हैं।"

ठाणे के एक गोदाम में लगी आग, कोई हताहत नहीं

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले के एक गोदाम में रविवार और सोमवार की दरमियानी रात आग लग गई। नगर निगम के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया कि घटना में कोई भी व्यक्ति घायल नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि भिवंडी शहर के बाहरी इलाके में स्थित सोनाले गांव में एक गोदाम में आग लग गई।

तड़वी के मुताबिक, रविवार देर रात दो बजकर 40 मिनट पर घटना की सूचना मिलने के बाद भिवंडी-निजामपुर नगर निगम के अग्निशमनकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और करीब तीन घंटे में आग पर काबू पा लिया गया। तड़वी ने बताया कि आग के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि अधिकारी यह भी पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि गोदाम में क्या रखा हुआ था।

घोड़बंदर रोड पर खंभे से टकराई मोटरसाइकिल, शख्स की मौत; वाहन भी जला

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे शहर से एक दुखद घटना सामने आई है। सोमवार सुबह घोड़बंदर रोड पर एक मोटरसाइकिल खंभे से टकरा गई, जिससे 30 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं, बाद में वाहन में आग लग गई।

मीरा रोड इलाके का रहने वाला व्यक्ति

ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया कि सुबह करीब साढ़े पांच बजे दुर्घटना के बारे में पता चला। मौके पर पहुंच कर जांच की। जांच से पता चला है कि मीरा रोड इलाके का रहने वाला व्यक्ति अपनी मोटरसाइकिल से घोड़बंदर रोड पर ठाणे की ओर जा रहा था। एक जगह मेट्रो लाइन का काम चल रहा था, वहां एक खंभा था। तभी उसकी मोटरसाइकिल उस खंभे से टकरा गई।

पूरी तरह जली मोटरसाइकिल

अधिकारी ने बताया कि खंभे से मोटरसाइकिल टकराने के बाद शख्स सड़क पर गिर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, टक्कर के कारण मोटरसाइकिल में आग लग गई और वह पूरी तरह जल गई।

उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के बाद स्थानीय दमकलकर्मी और आपदा प्रबंधन सेल टीम के सदस्य मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है।

बकरी-कबूतर चुराने के शक में चार लोगों को पेड़ पर उल्टा लटकाकर पीटा

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के एक गांव में बकरी और कुछ कबूतर चुराने के संदेह में छह लोगों ने चार दलित लोगों को कथित तौर पर पेड़ से उल्टा लटका दिया और डंडों से उनकी पिटाई की। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। अहमदनगर पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना श्रीरामपुर तालुका के हरेगांव में हुई। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया, जिसके बाद पुलिस ने शनिवार को हमले के सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जबकि पांच अन्य फरार हैं। उन्होंने बताया कि 25 अगस्त को गांव के छह लोगों का एक समूह कथित तौर पर चार दलित पुरुषों को उनके घरों से ले गया। अधिकारी ने बताया कि बकरी और कुछ कबूतर चुराने के संदेह में पीड़ितों को एक पेड़ से उल्टा लटका दिया गया और डंडों से उनकी पिटाई की गई।

नशे का अड्डा बना पादचारी पुल, नहीं की जाती है साफ-सफाई

मुंबई : शहाड रेलवे स्टेशन के आगे कसारा की तरफ जाते समय आम लोग अपनी जान जोखिम में डालकर रेलवे की पटरी पार न करें इसके लिए रेलवे प्रशासन ने एक पदचारी पुल तो बनाया है लेकिन यहां प्रवासियों की जगह नशेड़िये ही अधिकतर पाए जाते हैं, जो सारा दिन यहां नशे में धुत्त रहते हैं। यही वजह है कि महिलाएं और बच्चे यहां से आने-जाने में कतराते हैं। इसके साथ ही इस पुल की हालत को स्थानीय नशाखोरों ने बद से बदतर बना दिया है। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि यह पुल कल्याण व उल्हासनगर मनपा के सफाई विभाग की अनदेखी का शिकार हो रहा है। नशाखोर शराब पीकर बोतलों को फोड़ते हैं। इतना ही नहीं पुल को स्थानीय नशेड़ियों ने नशे का अड्डा बना रखा है। पुल की स्थिति इतनी दयनीय हो गई है कि उस पर से चलना कठिन हो गया है।

गौरतलब है कि लोगों की सुविधा के लिए यह पुल बनाया गया है, ताकि लोग पटरी को पार न करें। और सुरक्षित आ-जा सकें। परंतु नशेड़ी व मवालियों ने पुल पर कब्जा जमा लिया है। सिटीजन रिपोर्टर सभाजीत यादव कहते हैं कि पुल पर इतनी गंदगी, शराब की टूटी बोतलें हैं कि उस पुल पर चलना भी कठिन हो गया है। लोग रेलवे पटरी को जान जोखिम में डालकर आ जा रहे हैं। यदि रेलवे पुलिस प्रशासन इसी तरह से अनजान बना रहेगा तो नशेड़ी व मवाली रेलवे की संपत्ति और प्रवासियों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। सीमा विवाद के कारण पुल की अनदेखी की जा रही है, जो भविष्य में कभी भी घातक साबित हो सकता है।

बता दें कि इस पुल की जिम्मेदारी के बारे में शहाड के मैनेजर कॉमर्शियल ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि सफाई व सुरक्षा की जिम्मेदारी कल्याण-उल्हासनगर मनपा के साथ ही पुलिस प्रशासन की भी है। शहाड स्टेशन की सीमा में दो पुल हैं, जिनकी सफाई रेलवे कर्मचारी करते हैं। सुरक्षा का मुद्दा या तो रेल सुरक्षा बल या फिर रेलवे पुलिस (लोह मार्ग पुलिस) देखती है।

45 साल बाद महाराष्ट्र के जेल मैनुअल में व्यापक बदलाव

मुंबई : महाराष्ट्र में नया जेल मैनुअल लागू होते ही कैदियों को फांसी पर लटकाने के लिए नियुक्त किए जानेवाले जल्लादों की जरूरत खत्म हो जाएगी। १९७९ से अमल में लाए जा रहे मौजूदा जेल मैनुअल में किसी कैदी को मृत्यु होने तक फांसी देने की सजा मिलने पर शहर के चौराहों और गांव-गांव जाकर एलान करने, फांसी चढ़ाने के लिए जल्लाद का चयन करने, उसका पारिश्रमिक तय करने, फांसी वाले दिन की जानेवाली गतिविधियों का प्रावधान था। हालांकि, अब जेलों में जल्लाद की अवधारणा नहीं है। जेल के कर्मचारी सारी प्रक्रिया निपटा देते हैं। लेकिन नए जेल मैनुअल से इसे लिखित रूप में हटा दिया जाएगा। इसी तरह मौजूदा जेल मैनुअल में अनुशासनहीन कैदी को जंजीरों से बांधने और कोड़े से मारने की सजा का प्रावधान है। ये सजाएं भी अब व्यवहार में नहीं हैं, लेकिन इन्हें अब लिखित में हटा

दिया जाएगा।

महाराष्ट्र की विभिन्न जेलों में कैदियों की दुर्दशा को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। महाराष्ट्र में २४ हजार ३० कैदियों की आधिकारिक क्षमता वाली ६० जेलें हैं। लेकिन अक्सर इन जेलों में कैदियों की संख्या पांच-छह गुना ज्यादा होती है। इससे कैदियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। उन्हें समय पर इलाज नहीं मिल पाता है और जेलकर्मियों पर भी ड्यूटी का बोझ होता है। जेल-सुधार की मांग को गंभीरता से लेते हुए लगभग ४५ साल बाद अब महाराष्ट्र के जेल मैनुअल (नियमावली) में कुछ बड़े बदलाव होने जा रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, पुराने जेल मैनुअल में आवश्यक बदलाव को ध्यान में रखते हुए नया जेल मैनुअल तैयार करने के लिए अतिरिक्त महानिदेशक (जेल) अमिताभ गुप्ता, उप महानिरीक्षक (जेल) योगेश देसाई और टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज के एक फील्ड एक्शन प्रोजेक्ट, प्रयास के परियोजना निदेशक विजय राघवन सहित अन्य जेल अधिकारियों के साथ एक समिति का गठन किया गया था। इस समिति ने प्रस्तावित जेल मैनुअल को कानून और न्यायपालिका मंत्रालय को सौंप दिया है। सरकार का अनुमोदन मिलते ही जेलों में नई नियमावली लागू की जाएगी। जेल विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार, आजाद भारत में १९५५ में तत्कालीन बॉम्बे राज्य द्वारा जेल मैनुअल तैयार किया गया था, जिसमें जेल प्रशासन, उसके कर्मचारियों के साथ-साथ कैदियों के प्रबंधन पर निश्चित दिशा-निर्देश शामिल थे। अब ४५ सालों बाद महाराष्ट्र के जेलों के लिए नई नियमावली लागू होगी।

नए जेल मैनुअल में सरकार, अदालतों और मानवाधिकार संगठनों के सुझावों के साथ-साथ जेल सुधार पर न्यायमूर्ति राधाकृष्णन समिति द्वारा २०१८ में राज्य सरकार को सौंपी गई रिपोर्ट और उसके बाद दिए गए हाई कोर्ट के आदेश को भी शामिल किया गया है। नए जेल मैनुअल में ट्रांसजेंडर कैदियों के लिए अलग से एक अध्याय शामिल किया जाएगा। नए मैनुअल में ट्रांसजेंडर कैदियों के आत्म-सम्मान को ध्यान में रखते हुए जेलों के बुनियादी ढांचे में उनके लिए एक अलग बाड़े की व्यवस्था करना, एक अलग श्रेणी की रजिस्ट्री की व्यवस्था करना और तलाशी के लिए जेलकर्मियों को मानवीय तौर-तरीके का प्रशिक्षण देने जैसे सुझाव शामिल हैं। नए जेल मैनुअल में कैदियों की जेल की अवधि की गणना करने के तरीके में बदलाव करने, जेल में एक निश्चित अवधि बिताने के बाद ही फलों का लाभ मिलने की बाध्यता हटाने जैसे मुद्दे भी शामिल हैं।

सर्वर हैक कर 17 हजार कर्मचारियों का डेटा डिलीट, युवक गिरफ्तार

मुंबई : एयरटेल कंपनी का सर्वर हैक कर १७ हजार कर्मचारियों का डेटा डिलीट करने के मामले में गुरुग्राम पुलिस ने मुंबई के रहनेवाले युवक को गिरफ्तार किया है। युवक बीटेक-एमबीए की पढ़ाई करने के बावजूद बेरोजगार था। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार, ९ अगस्त को एयरटेल कंपनी की शिकायत पर साइबर क्राइम पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की। कंपनी ने अपनी शिकायत में कहा कि पूरे देश में उसके करीब १७ हजार कर्मचारी हैं, जिनका डेटा डिजिटल फॉर्म में स्पेशलाइज्ड कंप्यूटर एप्लिकेशंस में सुरक्षित रखा जाता है। कर्मचारियों के डेटा में नाम, पर्सनल टेलिफोन नंबर, बैंक खाता डिटेल, पेन कार्ड नंबर, परिवार के सदस्यों की डिटेल आदि की जानकारी थी।

आरोप है कि किसी अज्ञात ने कंपनी के सर्वर हैक कर सारा डेटाबेस डिलीट कर दिया। एक वेंडर कंपनी की ओर से डेटा मैनेजमेंट की सुविधा मुहैया कराई

गई थी, उन्होंने जून २०२३ में इस मामले की सूचना कंपनी को दी। ये भी शक जताया गया कि डिलीट करने से पहले आरोपी ने ये डेटा कॉपी कर लिया हो। साइबर क्राइम थाना वेस्ट एसएचओ इंस्पेक्टर अमित कुमार ने टीम के साथ मामले में जांच करते हुए दिल्ली ओखला के पास जौहरी फार्म में रहने वाले शफकत अली को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में पता चला कि वह अपने माता-पिता के साथ दिल्ली में रहता है। गुरुग्राम के एमडीआई कॉलेज से उसने एमबीए की पढ़ाई की। फिर उसने एयरटेल के अलावा पेटीएम कंपनी में भी नौकरी की। अभी वह कहीं नौकरी नहीं कर रहा था। इंस्पेक्टर अमित ने बताया कि आरोपी से पूछताछ कर ये पता लगाया जा रहा है कि आखिर उसने सर्वर हैक कर कर्मचारियों का डेटा डिलीट किस कारण से किया।

अंडर ग्राउंड कचरा पेटी बनाने का विरोध

मकरंद नार्वेकर ने मनपा आयुक्त को पत्र लिखकर और आदित्य ठाकरे ने वर्ली में न बनाने का निर्देश

मुंबई : सड़क पर फैले कचरे की समस्या को निपटाने के लिए मनपा ने भूमिगत कचरा पेटी बनाने का निर्णय लिया। मनपा के इस निर्णय का स्थानीय नेता विरोध करने लगे है । कोलाबा में भूमिगत कचरा पेटी का प्रयोग किया गया अब कोलाबा से ही पूर्व नगरसेवक मकरंद नार्वेकर ने भूमिगत कचरा पेटी बनाए जाने का विरोध किया है। वर्ली से विधायक और उद्धव ठाकरे की शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ।ने मनपा अधिकारियो को साफ निर्देश दिया है कि उनके विधानसभा में एक भी कचरा पेटी नही बनाई जाए और भूमिगत कचरा पेटी का विचार भी नही किया जाए। बता दे कि मनपा ने सड़क पर फैले कचरा की समस्या का निपटान करने के लिए भूमिगत कचरा पेटी बनाने का निर्णय लिया। मनपा ने कोलाबा सहित दक्षिण मुंबई

के डी वार्ड और कालबादेवी में प्रयोग के तौर पर बनाया गया । मनपा घन कचरा विभाग की उपायुक्त चंदा जाधव ने मनपा अस्पतालो में 15 भूमिगत कचरा पेटी बनाने का निर्णय लिया जिसका निविदा प्रक्रिया भी की गई।इसी तरह चंदा जाधव ने पूर्व उपनगर में और 12 जगहों पर भूमिगत कचरा पेटी बनाने को लेकर जगह खोजने की जानकारी देते हुए पूर्व उपनगर में भूमिगत कचरा पेटी बनाने की तैयारी दिखाई है।मनपा के इस निर्णय का अब राजनेता ही विरोध करने लगे है।नेताओं का आरोप है कि भूमिगत कचरा पेटी में डाला गया कचरा समय पर निकाला नही जाता और उससे और दुर्गंध फैल रही है और बीमारी भी फैलाने का आरोप लगाया।मकरंद नार्वेकर ने मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल को पत्र लिखकर भूमिगत कचरा पेटी का ऑडिट करने की मांग रखी है उनका आरोप है कि कचरा समय पर नही निकाले जाने से दुर्गंध तो फैल ही रही है बीमारी का प्रकोप भी तेजी से फैल रहा है।उद्धव शिवसेना के नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री आदित्य ठाकरे ने मनपा अधिकारियो को साफ शब्दों में निर्देश दिया कि भूमिगत कचरा पेटी का उनके विधानसभा वर्ली में प्रयोग नही किया जाए।भूमिगत कचरा पेटी से समय पर कचरा नहीं निकाला जा रहा है जो कि बीमारी की दावत दे रही है।

रईस हाई स्कूल के छात्रों में पुस्तक वाचन को बढ़ावा देने का सराहनीय प्रयास...

मुस्तकीम खान संवाददाता भिवंडी।

भिवंडी । शिक्षा और पुस्तक प्रेमियों के लिए यह खबर किसी खुशखबरी से कम नहीं है कि रईस हाई स्कूल के प्रधानाचार्य जिया-उर-रहमान अंसारी ने गत कई वर्षों से छात्रों में पुस्तक वाचन के प्रति रूचि और जिज्ञासा को बढ़ावा देने हेतु अपने विद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों के लिए एक अनोखा प्रोग्राम शुरू किया है जिसका शीर्षक है 'पुस्तकालय बुलाता है चले आओ मेरे प्यारो' नामक श्रृंखला शुरू की गई है जिसके तहत छात्रों को पुस्तकालय की सैर कराई जाती है।बता दें कि रईस हाई स्कूल की पुस्तकालय में विज्ञान,वाणिज्य,कला,साहित्य एवं रोचक कहानियों आदि की पुस्तकों का एक बड़ा संग्रह विद्यमान है। विद्यालय परिवार ने इस खजाने को

छात्रों तक पहुंचाने का फैसला किया है। इस उद्देश्य के तहत प्रतिदिन क्रमशः पांचवीं से बारहवीं कक्षा के छात्रों को उनके शिक्षक के साथ पुस्तकालय के भ्रमण पर ले जाया जाता है।पुस्तकालय के संयोजक सलीम अख्तर अंसारी और आने वाली क्लास के क्लास टीचर विद्यार्थियों को पुस्तक के महत्व और उपयोगिता के बारे में बताते हैं और बाद में उन्हें पुस्तकालय में रखी हुई पुस्तको का अवलोकन कराते हुए किताबों की विशेषता बताते हैं।छात्रों में पुस्तकालय भ्रमण के सकारात्मक परिणाम आ रहे हैं।

बार बार पुस्तकालय का भ्रमण करने और नई नई पुस्तकों का अवलोकन करने से छात्रों में पुस्तक वाचन के प्रति रुचि विकसित हो रही है।परिणामतः विद्यार्थी स्वतः भी पुस्तकालय में जाते हैं और अपनी मन पसंद किताबों का उपयोग करने के लिए समय निकाल रहे हैं। विद्यार्थियों में ज्ञान के प्रति रुचि पैदा करने की यह कोशिश अमूल्य है, जिसके लिए विद्यालय परिवार और शिक्षकों की प्रशंसा की जानी चाहिए।आशा है कि इस बहुमूल्य पहल की न केवल सराहना की जाएगी,बल्कि दूसरे संस्थानों में भी इस श्रृंखला को प्रचलित करने की कोशिश की जायेगी।

राहुल गांधी हैं कांग्रेस की तरफ से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार-अशोक गहलोत

मुंबई, एजेंसी।
मुंबई में इंडिया गठबंधन की तीसरी बैठक होने वाली है। इससे पहले राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को 2024 के लोकसभी चुनाव में कांग्रेस पार्टी की तरफ से प्रधानमंत्री उम्मीदवार बताया है। गहलोत ने इंडिया टुडे ग्रुप के साथ बात करते हुए दावा किया है कि यह फैसला सभी दलों ने चर्चा और विचार-विमर्श के बाद किया है। इंडिया गठबंधन की आवश्यकता के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, जनता ने ऐसा दबाव बनाया, जिसके परिणामस्वरूप सभी विपक्षी दलों का गठबंधन हुआ है।

गहलोत ने आगे कहा, पीएम मोदी को अहंकारी नहीं होना चाहिए, क्योंकि 2014 में बीजेपी केवल 31प्रतिशत वोटों के साथ सत्ता में आई थी। बाकी 69प्रतिशत वोट उनके खिलाफ थे। उन्होंने कहा कि जब पिछले महीने बेंगलुरु में इंडिया गठबंधन की बैठक हुई, उसके बाद से एनडीए डरा हुआ है।

अशोक गहलोत से जब बीजेपी के उन दावों के बारे में पूछा गया कि एनडीए 2024 के चुनाव में 50त्न वोटों के साथ सत्ता में आने के लिए काम कर रहा है तो उन्होंने कहा, पीएम मोदी कभी भी इसे हासिल नहीं कर पाएंगे। जब मोदी अपनी लोकप्रियता के चरम पर थे, तो वह ऐसा कर सकते थे। उनका वोट शेयर घट जाएगा और 2024 के चुनाव के नतीजे तय करेंगे कि प्रधानमंत्री कौन बनेगा।

अशोक गहलोत ने यह भी दावा किया कि पीएम मोदी 2014 में कांग्रेस की वजह से प्रधानमंत्री बने। उन्होंने पीएम मोदी की बोलने की शैली की आलोचना करते हुए कहा कि लोकतंत्र में भविष्य के बारे में भविष्यवाणी करना संभव नहीं है। उन्होंने कहा, यह निर्णय लोगों को करना चाहिए। सभी को उनकी पसंद का सम्मान करना चाहिए। पीएम मोदी ने कई वादे किए लेकिन जनता जानती है कि उनका क्या हुआ।

गहलोत ने चंद्रयान-3 की चंद्रमा पर सफल लैंडिंग का श्रेय पूर्व प्रधानमंत्रियों जवाहर लाल नेहरू और इंदिरा गांधी को दिया। उन्होंने कहा, चंद्रयान-3 की सफलता में भी नेहरू का योगदान अहम है और मौजूदा उपलब्धियां इंदिरा गांधी और नेहरू की कड़ी मेहनत का नतीजा हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की स्थापना इसलिए की गई क्योंकि नेहरू ने वैज्ञानिक विक्रम साराभाई का सुझाव सुना था। उन्होंने कहा कि उस समय अंतरिक्ष केंद्र का नाम कुछ और था लेकिन इंदिरा गांधी के सत्ता में आने के बाद इसे बदलकर इसरो कर दिया गया।

50 करोड़ लोगों को बिजली दे सकता है सीवर का पानी, कारगर नीतियों की जरूरत पर जोर

नई दिल्ली, एजेंसी।
नालियों और सीवरों के जिस अपशिष्ट पानी को पर्यावरण व स्वास्थ्य के लिए बड़ी समस्या समझा जाता है वह उपयोगी भी हो सकता है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की नई रिपोर्ट वेस्टवाटर-टर्निंग प्रॉब्लम टू सोल्यूशन के अनुसार कारगर नीतियों की मदद से इस दूषित जल की समस्या का न सिर्फ समाधान हो सकता है, बल्कि इससे 50 करोड़ लोगों के लिए वैकल्पिक बिजली की व्यवस्था और चार करोड़ हेक्टेयर जमीन की सिंचाई भी की जा सकती है। इस सिंचित जमीन का आकार करीब जर्मनी के बराबर जितने खेतों की सिंचाई करने जितना है।

इतना ही नहीं इस अपशिष्ट जल में मौजूद पोषक तत्व खेतों के लिए काफी फायदेमंद हो सकते हैं। अनुमान है कि यदि इसमें मौजूद पोषक तत्वों के दोबारा उपयोग से सिंथेटिक उर्वरकों पर बढ़ती निर्भरता को काफी कम किया जा सकता है। इसकी सहायता से खेती-बाड़ी में इस्तेमाल की जाने वाली नाइट्रोजन और फास्फोरस की मांग को 25 प्रतिशत तक घटाया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रति वर्ष लगभग 32 हजार करोड़ क्यूबिक मीटर अपशिष्ट पानी का फिर से इस्तेमाल किया जा सकता है। करीब 50 फीसदी दूषित पानी को बगैर स्वच्छ किए नदियों, झीलों और समुद्र में छोड़ा जा रहा है।

अध्ययन के अनुसार, इस प्रक्रिया से पानी की भारी बर्बादी रोकने में सफल हो सकते हैं। इस समय भारत सहित दुनिया की एक बड़ी आबादी गंभीर जल संकट का सामना कर रही है। वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टिट्यूट (डब्ल्यूआरआई) के आंकड़ों के मुताबिक, भारत सहित दुनिया के 25 देशों में जल संकट गंभीर रूप ले चुका है। ये वे देश हैं जो अपनी जल आपूर्ति का 80 फीसदी से ज्यादा हिस्सा खर्च कर रहे हैं। यह समस्या केवल इन्हीं देशों तक ही सीमित नहीं है। दुनिया की करीब 50 फीसदी आबादी यानी 400 करोड़ लोग साल में कम से कम एक महीने पानी की भारी किल्लत का सामना करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 2015 में घरेलू और शहरी स्रोतों से निकलने वाले अपशिष्ट जल की मात्रा 38 हजार करोड़ क्यूबिक मीटर थी, वह 2030 तक बढ़कर 49,700 करोड़ क्यूबिक मीटर तक पहुंच जाएगी। ऐसे में इस अमूल्य संसाधन को ऐसे ही नाली में बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए। वर्तमान में मात्र 11 फीसदी ट्रीटेड वाटर का पुनः उपयोग किया जाता है। फ्रांस में मात्र 0.1 फीसदी अपशिष्ट जल को साफ करने के बाद फिर से उपयोग किया जाता है।

मुजफ्फरनगर की घटना को लेकर खरगे ने भाजपा पर साधा निशाना, बोले- धर्म के आधार पर पिटवाना नफरत की राजनीति का नतीजा

नई दिल्ली, एजेंसी।
धार्मिक भेदभाव का शिकार बनाते हुए स्कूली बच्चे को शिक्षिका द्वारा पिटवाने की मुजफ्फरनगर की घटना का विवाद राष्ट्रीय सुर्खियों में गरमा गया है। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने इसे भाजपा की नफरत की राजनीति का नतीजा करार देते हुए दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग करते हुए इसकी निंदा की है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को कहा कि उत्तरप्रदेश के स्कूली बच्चे की पिटाई की यह घटना भाजपा की घृणा की राजनीति का परिणाम है। ऐसी घटनाएं देश की छवि बिगाड़ती हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि यह घटना भाजपा का फैलाया वही किरोसिन है जिसने देश के हर इलाके में आग लगा रखी है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने मुजफ्फरनगर में शिक्षिका द्वारा दूसरे छात्रों से एक मुस्लिम बच्चे को थप्पड़ मारने और समुदाय के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी के वायरल वीडियो को लेकर एक्स पर जारी पोस्ट में कहा कि जिस तरह अध्यापिका ने धार्मिक भेदभाव कर एक बच्चे को दूसरे बच्चों से पिटवाया है वो भाजपा-आरएसएस की नफरत भरी राजनीति का विचलित कर देने वाला परिणाम है। ऐसी घटनाएं

हमारी वैश्विक छवि पर कालिख पोत देती हैं। ये संविधान के खिलाफ है।

भाजपा पर निशाना साधते हुए खरगे ने कहा कि समाज में सत्ताधारी पार्टी की विभाजनकारी सोच का जहर इतना घुल गया है कि एक तरफ एक शिक्षा देने वाली अध्यापिका तृप्ति त्यागी बचपन से ही मजहबी विद्वेष का पाठ पढ़ा रही है, तो दूसरी तरफ सुरक्षा देने वाला आरपीएफ जवान चेतन कुमार धर्म के नाम पर निर्दोषों की जान लेने पर उतारू हो जाता है।

उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की धार्मिक कट्टरता व हिंसा, देश के खिलाफ है और दोषियों को बख्शना, देश के खिलाफ अपराध है। इस मामले में तत्काल कठोर कार्रवाई हो ताकि कोई और ऐसा जहर घोलने के पहले सौ बार सोचे। मासूम बच्चों के मन में भेदभाव का जहर घोलना, स्कूल जैसे पवित्र स्थान को नफरत का बाजार बनाना एक शिक्षक देश के लिए इससे बुरा कुछ नहीं कर सकता। ये भाजपा का फैलाया वही केरोसिन है जिसने भारत कोने-कोने में आग लगा रखी है। बच्चे भारत का भविष्य हैं, उनको नफरत नहीं, हम सबको मिल कर मोहब्बत सिखानी है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी वीडियो वायरल होते ही एक्स पर एक पोस्ट में सवाल उठाया कि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को कैसा क्लासरूम, कैसा समाज देना चाहते हैं जहां चांद पर जाने की तकनीक की बातें हो या नफरत की चहारदीवारी खड़ी करने वाली बातें। विकल्प एकदम स्पष्ट है। नफरत तरक्की की सबसे बड़ी दुश्मन हैं। अपने देश के लिए, तरक्की के लिए, आने वाली पीढ़ियों के लिए हमें एकजुट होकर इस नफरत के खिलाफ बोलना होगा।

शिव छत्रपति राज्य खेल पुरस्कार वितरण समारोह सोमवार को बालेवाड़ी में

पुणे, २७ अगस्त : शिव छत्रपति राज्य खेल पुरस्कार वितरण समारोह सोमवार २८ अगस्त को शाम ५ बजे शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (बैडमिंटन हॉल), महालुंगे, बालेवाड़ी में आयोजित किया गया है।इस अवसर पर राज्यपाल रमेश बैस, मुख्यमंत्रीएकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, सहकारिता मंत्री दिलीप वलसे पाटिल, संरक्षक मंत्री चंद्रकांतदादा पाटिल, ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री गिरीश महाजन, खेल और युवा कल्याण मंत्री संजय बनसोडे, विधान परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. नीलम गोरे एवं अन्य उपस्थित रहेंगे।महाराष्ट्र सरकार की ओर से वर्ष २०१९-२०, २०२०-२१ और २०२१-२२ के लिए सरकार ने शिव छत्रपति राज्य खेल जीवन सम्मान पुरस्कार, उत्कृष्ट खेल सलाहकार पुरस्कार, एथलीट पुरस्कार, एकलव्य एथलीट पुरस्कार (विकलांग एथलीट) की घोषणा की है।), एडवेंचर स्पोर्ट्स अवॉर्ड और जीजामाता अवॉर्ड आ चुके हैं पुरस्कार गणमान्य व्यक्तियों द्वारा वितरित किये जायेंगे। खेल प्रेमियों, खिलाड़ियों, विद्यार्थियों, विभिन्न खेलों के जिला एवं राज्य संघ के प्रतिनिधियों, पूर्व खेल पुरस्कार विजेताओं (राज्य एवं केन्द्र सरकार), विभिन्न खेल अकादमियों के खिलाड़ियों, खेल मार्गदर्शकों, खेल संगठनों, पत्रकारों, अभिभावकों से कार्यक्रम में उपस्थित होने का अनुरोध किया गया है। प्रमुख सचिव रणजीत सिंह देयोल और खेल एवं युवा सेवा आयुक्त डॉ. सुहास दिवसे ने यह आवाहन किया है।

अमेरिका ने हाई फेंस, स्मॉल यार्ड की रणनीति अपनाई

▶▶ पहले तय करना होगा किन क्षेत्रों में ज्यादा निगरानी की जरूरत ▶▶ भारत को भी अमेरिका की तरह दृष्टिकोण अपनाना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन की कंपनियों का कई क्षेत्रों में दबदबा है। भारत इन सेक्टरों में चीनी कंपनियों की मदद से अपने आर्थिक विकास को और तेज रफ्तार दे सकता है। अमेरिका ने इसके लिए एक रणनीति अपना रखी है। यह रणनीति ऐसी ही है जैसे सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे। भारत भी अमेरिका की तरह चीनी कंपनीयों के लिए ये रणनीति अपना सकता है। इससे भारत का काफी फायदा होगा। हमारे सहयोगी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया में जाने माने अर्थशास्त्री स्वामीनाथन एस अंकलेसरिया अय्यर का एक लेख छपा है। इसमें अमेरिका की इसी रणनीति के बारे में उन्होंने बताया है। स्वामीनाथन एस अंकलेसरिया अय्यर के मुताबिक, भारत और अमेरिका इस समय चीन पर एक ही तरह की दुविधा का सामना कर रहे हैं।

दोनों ही देश उन सेक्टरों में टेक्नोलॉजी और इनवेस्टमेंट से लाभान्वित हो सकते हैं, जहां पर चीन की कंपनियां सबसे आगे हैं। लेकिन समस्या ये है कि चीन सुरक्षा संबंधी खतरे पैदा करता है। इसका समाधान किया जाना जरूरी है। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन और ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन ने इस समस्या का एक हल निकाला है। यह है हाई फेंस, स्मॉल यार्ड यानी छोटे क्षेत्रों में ज्यादा कड़ी निगरानी। अमेरिका की तरह भारत को भी इसी तरह के दृष्टिकोण को अपनाना चाहिए।

यह रणनीति कहती है कि पहले तो यह तय करें कि ऐसे कौन से क्षेत्र हैं जहां पर कड़ी

निगरानी की जरूरत है। इसके बाद इन क्षेत्रों में ऊंची बाड़ लगा दो। इसका मतलब है कि इन क्षेत्रों में सीधे प्रतिबंध का ऐलान या फिर मंजूरी देने से पहले कड़ी जांच की जाए। लेकिन इस तरह से बहुत अधिक चीनी प्रोडक्ट्स या कंपनियों पर प्रतिबंध लगाना सही नहीं है।

प्रगतिशीन अर्थव्यवस्था

चीन अब बहुत ही प्रगतिशील अर्थव्यवस्था है। कई सेक्टर में चीनी कंपनियां और टेक्नॉलजी बेस्ट हैं। जेनेट येलेन ने बार-बार जोर दिया है कि इन सभी सेक्टर में चीन को बाहर रखना बहुत बड़ी ग़लती होगी। अमेरिका के सबसे बड़ी व्यापारिक साझेदारों में से एक है चीन। डॉनल्ड ट्रंप के समय लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद द्विपक्षीय व्यापार बढ़ रहा है। अगर व्यापक पैमाने पर व्यापार पर प्रतिबंध लगाया गया, तो अमेरिकी ग्राहक सस्ते कंज्यूमर प्रोडक्ट से वंचित हो जाएंगे। इसका सबसे ज़्यादा असर पड़ेगा ग़रीब लोगों पर। अमेरिका इसके चलते क्लाइमेट चेंज से लड़ने के लिए ज़रूरी चीज़ों - सोलर मॉड्यूल और पैनल, सबसे अडवांस्ड बैटरियों, सस्ते इलेक्ट्रिक वीकल्स और सबसे बेहतर 5जी टेलिकॉम उपकरणों से भी वंचित हो जाएगा।

सुरक्षा को देखते हुए उठाया ये कदम

इधर भारत और अमेरिका, दोनों ने सुरक्षा पर ख़तरे को देखते हुए चीनी 5जी पर प्रतिबंध लगा दिया है। लेकिन, जेनेट येलेन का कहना है कि व्यापक पैमाने पर चीन से अलग होने का मतलब होगा अमेरिका के कई प्रोडक्ट का बड़े चीनी बाज़ार तक ना पहुंच पाना। अमेरिका फिर निर्यात का मौका खो देगा। यह दोनों देशों के लिए भयानक होगा। इसका उपाय यही है कि ट्रेड और इन्वेस्टमेंट को जोखिम मुक्त किया जाए, ना कि मुंह मोड़ लिया जाए। इसी के लिए जरूरी है हाई फेंस, स्मॉल यार्ड। अमेरिका अपनी कंपनियों को सबसे अत्याधुनिक मशीनें और तकनीक चीन को बेचने से रोकेगा। जासूसी के डर से चीनी 5जी तकनीक को बाहर रखेगा। इस बीच, जिन क्षेत्रों में चीन आगे निकल चुका है, उनमें आगे बढ़ने के लिए अमेरिका अरबों डॉलर की सब्सिडी देगा।

कड़ी निगरानी की जरूरत

भारत की नीति में कई समानताएं हैं, लेकिन यहां हाई फेंस, स्मॉल यार्ड जैसा अभी कुछ नहीं है। चीन की चालाकी कभी-कभी यह सुझाव देती है कि बड़े क्षेत्र में बेहद कड़ी निगरानी करने की जरूरत है। दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक वीकल कंपनी बीवायडीके प्रस्ताव के बारे में मैं पहले ही लिख चुका हूं। अब टेस्ला से ज्यादा बिक्री बीवाईडी की है। टेस्ला सिर्फ लग्जरी कारें बनाती है, जबकि बीवाईडी के पोर्टफोलियो में महंगी के साथ सस्ती कारें भी शामिल हैं। बीते दिनों इस चीनी कंपनी ने भारत में अरबों डॉलर के निवेश का प्रस्ताव दिया था। भारत में कंपनी पहले ही छोटे स्तर पर ऑटो प्रोडक्शन कर रही है। कंपनी अब इसे बढ़ाना चाहती है और एक बड़ी बैटरी फैसिलिटी बनाना चाहती है। लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत सरकार ने बीवाईडी के इस प्रस्ताव को रद्द कर दिया है।

इसी तरह, एक दूसरी चीनी कंपनी लक्सशेयर, एपल के एयर-पॉड और स्मार्ट वॉच बनाती है। एपल के प्रो-विजन हेडसेट के लिए इसे एकमात्र पार्टनर नियुक्त किया गया है। एक अमेरिकी रिपोर्ट के मुताबिक, लक्सशेयर को उसकी नवीनता और क्रेजी आइडियाज के प्रति खुलेपन के कारण चुना गया था। भारत को इसी तरह की कंपनी की ज़रूरत है। इससे नए क्षेत्र खुलेंगे। बांग्लादेश में क्यों आमने-सामने हैं भारत और अमेरिका मोदी सरकार का बाइडन को दो टूक संदेश, समझें खतरा

चीनी कंपनियों का दबदबा

भारत में ऐपल कंपनी अरबों डॉलर की कीमत के आईफोन का प्रोडक्शन और एक्सपोर्ट कर रही है। लेकिन इसकी वजह से जो वैल्यू एड होती है, वह काफी कम है। इसमें सुधार के लिए भारत को बड़े पैमाने पर कंपोनेंट्स के प्रोडक्शन की जरूरत है। सरकार इसके लिए भारतीय कंपनियों को प्राथमिकता देती है। लेकिन, इस क्षेत्र में चीनी कंपनियों का दबदबा है। ऐसे में यह उम्मीद करना कि भारतीय नाम किसी तरह से इस कमी को पूरा कर देंगे, कल्पना है। भारत में नवीकरणीय ऊर्जा का तेज़ी से विस्तार एक अच्छा कदम है। हर तरह से उन भारतीय कंपनियों को मौका देना चाहिए, जिन्होंने अच्छे टेक्नॉलजी सप्लायर के साथ समझौता किया है। लेकिन, चीनी कंपनियों को भी परमीशन दें। स्टोरेज बैटरी से राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत होती है, उस पर ख़तरा नहीं होता।

82082.91 करोड़ रुपये घट गया 3 कंपनियों का मार्केट कैप, रिलायंस को 58690.9 करोड़ का झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। सेंसेक्स की टॉप-10 में से तीन कंपनियों के मार्केट कैपिटल में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 82,082.91 करोड़ रुपये की गिरावट आई है। सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ है। बीते सप्ताह टॉप-10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार मूल्यांकन घट गया। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 62.15 अंक या 0.09 प्रतिशत के नुकसान में रहा। टॉप-10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस, आईटीसी, एसबीआई, भारती एयरटेल और बजाज फाइनेंस का स्थान रहा।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस, आईटीसी, भारती एयरटेल और बजाज फाइनेंस के मार्केट कैपिटल में बढ़ोतरी हुई। इन सात कंपनियों की बाजार हैसियत सामूहिक रूप से 67,814.1 करोड़ रुपये बढ़ी है। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 58,690.9 करोड़ रुपये घटकर 16,71,073.78 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 20,893.12 करोड़ रुपये के नुकसान से 11,81,835.08 करोड़ रुपये पर और भारतीय स्टेट बैंक की 2,498.89 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 5,08,926 करोड़ रुपये रह गई। वहीं दूसरी ओर बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 21,025.39 करोड़ रुपये बढ़कर 4,36,788.86 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 13,716.34 करोड़ रुपये की बढ़त के साथ 6,79,267.17 करोड़ रुपये और इन्फोसिस का मूल्यांकन 13,199.82 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 5,89,579.08 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

भारती एयरटेल का मार्केट कैपिटल 9,731.21 करोड़ रुपये बढ़कर 4,88,461.91 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 4,738.47 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 12,36,978.91 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर का 2,972.23 करोड़ रुपये की बढ़त के साथ 6,03,222.31 करोड़ रुपये रहा। आईटीसी की बाजार हैसियत 2,430.64 करोड़ रुपये बढ़कर 5,53,251.90 करोड़ रुपये रही।

रूस को इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात दोगुने से ज्यादा बढ़ा, अमेरिका और चीन में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत से रूस को इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात इस साल जुलाई में दोगुने से ज्यादा बढ़कर 12.36 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया है। एक साल पहले की समान अवधि में यह केवल 5.56 करोड़ डॉलर के स्तर पर रहा था। इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (ईईपीसी) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल जुलाई में अमेरिका में निर्यात 10.4 फीसदी घटकर 1.44 अरब डॉलर रह गया। वहीं, देश से चीन को इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात जुलाई में 10 फीसदी घटकर 19.79 करोड़ डॉलर रह गया है। दुनियाभर के प्रमुख 25 देशों में भारत का इंजीनियरिंग उत्पादों का कुल निर्यात में 76 फीसदी योगदान देता है। इसमें से 14 देशों में सालाना आधार पर जुलाई में निर्यात में गिरावट देखने को मिली है।आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने देश से इंजीनियरिंग वस्तुओं का कुल निर्यात 6.62 फीसदी गिरकर 8.75 अरब डॉलर रह गया।एक साल पहले यह आंकड़ा 9.37 अरब डॉलर रहा था।

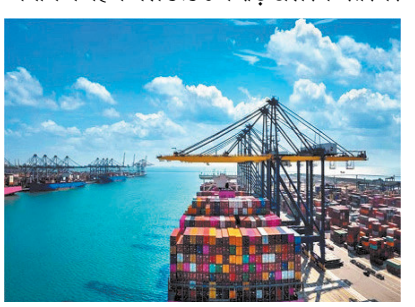

दरअसल, लौह, इस्पात और एल्युमिनियम की वैश्विक स्तर पर मांग घटने से निर्यात में गिरावट दर्ज की गईहै।ईईपीसी इंडिया का कहना है कि निर्यात में गिरावट के आंकड़ों को देखने से एक चुनौतीपूर्ण वैश्विक व्यापार माहौल का पता चलता है। इस दौरान पश्चिम एशिया, उत्तरी अफ्रीका, उत्तर-पूर्व एशिया और सीआईएस देशों को निर्यात में सकारात्मक वृद्धि देखने को मिली है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : मंगलवार 29 अगस्त 2023

क्या बॉलीवुड में कमबैक करेगी हेमा मालिनी

मशहूर अभिनेत्री हेमा मालिनी का कहना है कि शर्मिला टैगोर, जया बच्चन और पति धर्मेंद्र के दोबारा पर्दे पर आने के बाद वह भी फिल्मों में वापसी करना चाहेंगी, बशर्ते निमार्ता उनके पास ''कुछ अच्छी भूमिकाएं' लेकर आएं।हेमा मालिनी की सबसे हालिया फिल्म ''शिमला मिर्ची' थी, जो 2020 में रिलीज हुई थी। 2000 के दशक में, हेमा मालिनी ने ''बागबान', ''वीर-जारा', ''बाबुल' और ''बुड्ढा... होगा तेरा बाप', जैसी हिट फिल्मों में अभिनय किया। इस सभी फिल्मों में हेमा मालिनी के साथ अभिनेता अमिताभ बच्चन भी थे।

इस साल की शुरूआत में, शर्मिला टैगोर ने 13 साल के अंतराल के बाद डिज्नी- हॉटस्टार की फिल्म ''गुलमोहर' के साथ अभिनय की दुनिया में वापसी की, जिसे समीक्षकों द्वारा काफी सराहना मिली। वहीं जया बच्चन और धर्मेंद्र ने साल की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक, ''रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में अभिनय किया।

मथुरा से दो बार की सांसद हेमा मालिनी काफी समय से फिल्मों से दूर हैं।यह पूछे जाने पर कि क्या वह अपने समकालीन कलाकारों की तरह और अभिनय भूमिकाएं निभाने की इच्छुक हैं, 74 वर्षीय अभिनेत्री हेमा मालिनी ने ''पीटीआई-भाषा' से कहा, ''''मैं यह (फिल्में) करना चाहूंगी। यदि मुझे कुछ अच्छी भूमिकाएं मिलेंगी, तो निश्चित रूप से, क्यों नहीं? मैं चाहूंगी कि निमार्ता आगे आएं और मुझे फिल्मों के लिए साइन करें। मैं तैयार हूं।'' अक्टूबर में फिल्म ''बागबान' अपनी रिलीज के 20 साल पूरे कर लेगी। रवि चोपड़ा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में हेमा मालिनी और अमिताभ बच्चन ने एक ऐसे दम्पति की भूमिका निभायी है जो अलग रहने के लिए मजबूर हो जाते हैं जब उनके बेटे दोनों की देखभाल करने से इनकार कर देते हैं।

वर्ष 2003 की इस फिल्म में अमिताभ बच्चन के साथ अभिनय को याद करते हुए हेमा मालिनी ने कहा कि वह चाहती थीं कि ''बागबान' के बाद उनके साथ और अधिक फिल्मों में काम करतीं। हेमा मालिनी और अभिताभ बच्चन की इस जोड़ी ने 1980 के दशक में ''सत्ते पे सत्ता', ''नसीब' और ''नास्तिक' जैसी फिल्मों में भी एकसाथ अभिनय किया था।

हेमा मालिनी ने कहा, ''''काश हमने ''बागबान' के बाद कई और फिल्में एक साथ की होतीं लेकिन दुर्भाग्य से, ऐसा नहीं हुआ। (बच्चन के साथ) काम करना अद्भुत था।''उन्होंने कहा, ''''उस समय भी, मैंने कुछ वर्षों के अंतराल के बाद किसी फिल्म में अभिनय किया था, वह फिल्म ''बागबान' थी। इसलिए, मैं थोड़ा झिझक रही थी, लेकिन मैंने फिल्म की और, निश्चित रूप से, अमित जी और मैंने एकसाथ अच्छा काम किया।''हेमा मालिनी एक निमार्ता और निर्देशक भी हैं।

उन्होंने कहा कि वह बॉक्स ऑफिस पर हिंदी फिल्मों की कामयाबी से खुश हैं। इस साल की सबसे बड़ी हिट फिल्मों जैसे कि शाहरुख खान की ''पठान' और सनी देओल की ''गदर 2' का उदाहरण देते हुए हेमा मालिनी ने कहा, ''दर्शक फिल्में बड़े पर्दे पर देखना चाहते हैं। ओटीटी मंच ''टाइम पास' के तौर पर पसंद किये जाते हैं।उन्होंने कहा, ''(बड़े) स्क्रीन पर फिल्में बहुत अलग होती हैं, जिसकी हमें आदत है। मैं उस तरह की फिल्मों की अभ्यस्त हूं... बड़े पर्दे की।

खरी-खरी सुनाने वालों को करारा जवाब...

पिछला कुछ समय बॉलीवुड के लिए अच्छा नहीं रहा. जब हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की लगातार कई फिल्में फ्लॉप हो रही थीं. इन फिल्मों में सम्राट पृथ्वीराज, लाल सिंह चड्ढा, रक्षाबंधन जैसी बड़े बजट की फिल्में शामिल हैं. लगातार फ्लॉप फिल्में देखकर जहां हिंदी ऑडियंस साउथ की ओर आगे बढ़ने लगी थी. वहीं बॉलीवुड पर ''सुपरफ्लॉप' का भी धब्बा लगने लगा था. लोग बॉलीवुड की तुलना में साउथ फिल्मों की तारीफ कर रहे थे. हिंदी ऑडियंस कांतारा, केजीएफ 2, पुष्पा और आरआरआर जैसी फिल्मों की तारीफ कर बॉलीवुड पर कॉपीकैट का आरोप लगाते नहीं थक रहे थे, लेकिन सिर्फ एक महीने में बॉलीवुड ने ये साबित कर दिया है कि वो अभी खत्म नहीं हुआ है और अब भी उसमें दम बाकी है.

बॉलीवुड ने महज 1 महीने में 750 करोड़ का नेट कलेक्शन करने वाली फिल्में दी हैं. सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक रॉकी और रानी की प्रेम कहानी- 148.79 करोड़ , गदर 2- 456 करोड़, OMG 2- 132 करोड़ और ड्रीम गर्ल 2- 40 करोड़ शामिल हैं. इन फिल्मों का नेट कलेक्शन यानी जिससे टैक्ट कट चुका है वो 750 करोड़ से ज्यादा है, अगर ग्रॉस कलेक्शन की बात करें तो ये 800 करोड़ से ज्यादा है.

इन फिल्मों और इनकी शानदार कमाई ने ये साबित कर दिया कि बॉलीवुड में अब भी बेहतरीन फिल्में हैं जो लोगों को खासा एंटरटेन कर रही हैं. बता दें आने वाले समय में भी बॉलीवुड की कुछ मोस्ट अवेटेड फिल्में आने वाली हैं जिनका फैंस को बेसब्री से इंतजार है. इनमें जवान, डंकी, एनिमल, इमरजेंसी और टाइगर 3 जैसी फिल्मों का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

एक्ट्रेस बोली मेरे रंग की वजह से बॉलीवुड में नहीं मिल पाता ज्यादा काम !

एक्ट्रेस कल्कि कोचलिन ने अपने एक्टिंग करियर में एक लंबा सफर तय किया है. अब जल्द ही वह गोल्डफिश नाम से आ रही एक फिल्म में नजर आएंगी. इसके प्रमोशन में जुटीं कल्कि ने बताया कि कैसे उनके रंग ने बॉलीवुड में उनके रोल्स काफी कम कर दिए हैं या यूं कहें की सीमित कर दिए हैं. कल्कि ने कहा, 'गोल्डफिश खास थी क्योंकि उस जैसी कॉम्पलेक्स, लेयर्ड, सेंसिटिव और मजेदार स्क्रिप्ट रोज रोज नहीं मिलतीं. वैसे भी इंडस्ट्री में मेरे जैसे किसी के लिए बहुत कम रोल हैं क्योंकि मेरा रंग बॉलीवुड में मेरे रोल को सीमित करता है और यह मेरी आधे भारतीय और आधे ब्रिटिशर होने की पहचान से जुड़ा है.ह्व

गोल्डफिश में कल्कि ने फाइनैंशियल दिक्कतों से जूझ रही एक लड़की का रोल निभाया है. इस फिल्म में उनके साथ दीप्ति नवल भी हैं. दीप्ति नवल के साथ काम करने के अपने एक्सपीरियंस पर कल्कि ने कहा, 'दीप्ति जी के साथ काम करना खुशी की बात थी, वह बेहद शांत हैं और फिर भी बहुत शानदार हैं. मैं हमेशा अलर्ट रहती थी क्योंकि वह कभी भी किसी मौके पर कुछ कहती थीं और मुझे उस पर रिएक्ट करना होता था. मुझे उनके साथ काम करना अच्छा लगा.'

गोल्डफिश के साथ कल्कि चार साल बाद सिनेमाघरों में लौट रही हैं. कल्कि को आखिरी बार 2019 की हिंदी फिल्म ''गली बॉय' में देखा गया था. कल्कि की आने वाली फिल्म 1 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com ,